सांप

सांप के काटने पर पीड़ित व्यक्ति को शांत रखें, काटे हुए स्थान को पकड़कर रखें और व्यक्ति को तुरंत ऐसे अस्पताल ले जाएं जहां विषरोधक उपचार उपलब्ध है

पर्यावास
खुले, घासदार और झाड़ी वाले इलाके, खेत, पेड़ों में बने छेद, जंगल और शहर जैसे इंसानी पर्यावास

प्रजाति प्रचुरता
भारत में सांपों की लगभग 300 प्रजातियां पाई जाती हैं। भारत में सांपों को कानूनी रूप से संरक्षित किया जाता है

विशाल 4
अधिकतम सांप कोई हानि नहीं पहुंचाते हैं। अधिकतम मौतों के लिए केवल चार प्रजातियां ही ज़िम्मेदार हैं

कॉमन कोबरा/ स्पेक्टैकल्ड कोबरा

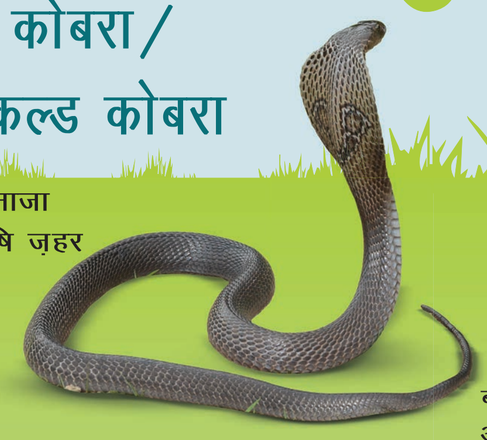

नाजा नाजा
तंत्रिआविषि ज़हर

बड़े आकार का सांप जो गहरे भूरे से लेकर काले रंग का होता है। चौकन्ना होने पर, यह सांप अपना सर उठाता है और बचाव के लिए अपने फन को फ़ैला देता है। इसके शरीर पर बने शल्क मुलायम और अंडाकार होते हैं। फण पर अलग–अलग निशान होते हैं जो कि बिना कोई आकार या फ़िर, स्पष्ट चश्मे के आकार का हो सकता है

- संध्याकाल में यह सक्रिय हो जाता है
- आम तौर पर यह खेतों में पाया जाता है; शिकार और शरण के लिए यह घर में घुस सकता है
- कोबरा अपना बचाव करने और चेतावनी देने के लिए 'हिस्स' की आवाज़ निकालकर अपने फन को उठाता है
- इसके काटने पर तेज़ दर्द होता है और जगह में सूजन आ जाती है, साथ में, लगातार खून भी बहता है। पीड़ित व्यक्ति उल्टी कर सकता है, उसे सांस लेने में परेशानी हो सकती है और उसे धुंधला दिखाई दे सकता है
- इसके ज़हर से पीड़ित व्यक्ति का शरीर लकवाग्रस्त हो सकता है; उसे सांस लेने में परेशानी हो सकती है और दिल का दौरा भी पड़ सकता है

ज़्यादातर सांप के दंश की घटनाएं बारिश के मौसम में होती हैं क्योंकि बारिश का पानी उनके बिलों में घुस जाने के कारण वे घरों और खेतों में चले जाते हैं

कॉमन क्रेट

बंगारस कैरूलेस
तंत्रिआविषि ज़हर

मध्यम आकार का सांप जिसका शरीर काले या नीले–काले रंग का होता है जिस पर दूधिया–सफ़ेद रंग की पट्टियां (अकसर दो) बनी होती हैं। कभी–कभी ये पट्टियां शरीर के आगे के हिस्से में नहीं होती हैं। इसके शल्क मुलायम होते हैं और हड्डीवाले क्षेत्र में षट्कोणीय आकार के होते हैं

- रात के समय सक्रिय रहता है
- इसे पत्थर वाले इलाकों, दरारों, सीमेंट की बनी सिल्लियों, पत्तों के कचरों, दीमक के टीलों, चूहों के बिल में रहना पसंद है और अक्सर घरों के अंदर बनी दरारों में भी छिप जाते हैं
- इसे अगर दिन के समय परेशान किया जाए तो यह कुंडली बनाकर अपना सिर अपने शरीर के अंदर छिपा लेता है और बहुत ज़्यादा परेशान करने पर ही काटता है, लेकिन यह रात के समय आक्रामक होता है और बिना चेतावनी दिए काट भी सकता है
- अक्सर ज़मीन पर सोए हुए लोगों को काटता है। इसके काटने से दर्द नहीं होता है और पीड़ित व्यक्ति की जान नींद में ही चली जाती है क्योंकि इसका ज़हर तंत्रिआविषि होता है
- इसके काटने से निचले पेट में ऐंठन, धुंधला दिखना, पसीना आना, उल्टी और बोलने में परेशानी जैसे लक्षण दिखते हैं

रसेल्स वाइपर

दबोइया रसेली
रक्तविषैली ज़हर

ज़मीन पर रहने वाला भारी सांप जिसका पूरा शरीर खुरदरे शल्कों से ढका हुआ होता है। इसका सिर त्रिभुजाकार और समतल होता है और यह गर्दन से अलग दिखता है। इसकी पीठ पर गहरे पीले, पीले भूरे या ज़मीनी भूरे रंग का पैटर्न होता है जिसके साथ गहरे भूरे रंग के निशान होते हैं जो पूरे शरीर में ऊपर से नीचे तक फ़ैले होते हैं। इस हर एक निशान के चारों ओर काला चक्र होता है। इसकी बाहरी सीमा पर सफ़ेद या पीले रंग के हाशिए से ये निशान उभर कर आते हैं

सांप के शावकों में विष ग्रंथियां पूरी तरह से क्रियाशील होती हैं; जन्म के तुरंत बाद ही ये काटने में सक्षम होते हैं

- रात में सक्रिय। ठंडे मौसम में सुबह के समय भी सक्रिय रहते हैं
- ज़्यादातर, खुले, घासदार इलाकों में पाए जाते हैं लेकिन जंगलों, वनाच्छादित बागानों और खेतों में भी होते हैं
- दूर से इनकी रफ़्तार धीमी लगती है और चेतावनी देने के लिए ये प्रेशर कुकर की सीटी की तरह 'हिस्स' की आवाज़ निकालते हैं
- अपने दांतों को खोलकर ये आक्रामक और तेज़ गति से काटते हैं
- इनके काटने पर दर्द होता है, जगह से खून निकलता है और अंग पर छाले पड़ जाते हैं। इसके रक्तवह तंत्र को प्रभावित करने वाले ज़हर के कारण मसूड़ों और आँखों से खून निकलता है

सॉ–स्केल्ड वाइपर/ इंडियन सॉ–स्केल्ड वाइपर

एचिस कारीनाटुस
रक्तविषैली ज़हर

ज़मीन पर रहने वाला छोटे आकार और त्रिकोणीय सिर वाला सांप जिसका पूरा शरीर खुरदरे शल्कों से ढका हुआ होता है। यह ईंट के लाल रंग से लेकर धूल के भूरे रंग में पाया जाता है। इसके सिर पर क्रॉस जैसा निशान बना होता है

- रात के समय सक्रिय, संध्याकाल में शिकार करता है
- रेगिस्तान, अर्ध–मरुस्थलीय इलाकों,पतझड़ वन, घास और झाड़ी वाले मैदानों में रहता है। दिन के समय पत्थरों, लकड़ी के लट्ठों के नीचे छिपा रहता है
- साइडवाइंडिंग लोकोमोशन पद्धति द्वारा रेंगता है, रेंगते समय इसका शरीर अंग्रेज़ी अक्षर 'एस' (S) जैसा हो जाता है
- चौकन्ना होने पर अपने शरीर के शल्कों को लगातार रगड़कर कर्कश आवाज़ निकालता है
- डरने पर, आक्रामक होकर बिना किसी चेतावनी के बार–बार काटता है
- सांप के दंश वाली जगह में सूजन, दर्द होता है, खून निकलता है और छालें पड़ जाते हैं। इससे मसूड़ों और आँखों से भी खून निकलता है

विषैले सांप के काटने पर, समय पर चिकित्सीय परामर्श के अंतर्गत सर्पविषरोधी दवाई ही एकमात्र उपचार है

क्या आप जानते हैं?

- सांप बीमारी और फ़सलों को नुकसान पहुंचाने वाले चूहों को खाकर उनकी आबादी नियंत्रित करके पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाकर रखते हैं
- सांप इंसानों से दूर रहते हैं और केवल डर जाने या आकस्मिक किसी के पैर के नीचे आने पर ही आक्रमण करते हैं
- अक्सर विषैले सांप काटते समय अपना ज़हर इंसान के शरीर में नहीं छोड़ते हैं जिन्हें 'ड्राई बाइट्स' कहा जाता है
- आम धारणा के विरुद्ध सांप इंसानों का पीछा करके उन्हें काटते नहीं हैं; सांपों की स्मरण–शक्ति कमज़ोर होती है और वे इंसानों से दूर ही रहते हैं
- हर साल भारत में लगभग 50,000 लोगों की मृत्यु सांप के दंश से होती है

- सांप अपने शिकार को गतिहीन करने और उसे सफलतापूर्वक पचाने के लिए उसके शरीर में ज़हर छोड़ते हैं। सांपों की विशाल चार प्रजातियां छोटे स्तनधारी, चिड़ियों, रेंगने वाले जानवरों और उभयचरों को खाते हैं
- सांप अपने द्विशाखित जीभ का इस्तेमाल शिकार का पता लगाने और अपने आसपास के वातावरण को समझने के लिए करते ही हैं लेकिन ख़ास तौर पर वे इसकी मदद से अपने शिकार का पीछा करते हैं
- जानकारी, जागरूकता की कमी और डर के कारण सांपों को अंधाधुंध मारा जाता है, यहां तक कि गैर–विषैले सांप भी मार दिए जाते हैं
- जगलों का कम होना, वाहनों के नीचे आकर जान खो देना, चमड़ी और मांस के लिए सांपों का शिकार करना दूसरे ऐसे कारण हैं जिनसे सांप की आबादी को ख़तरा है
- डर के कारण सांपों को अंधाधुंध मार डालना भी एक मुख्य ख़तरा है

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन

german cooperation DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT
Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH
Ministry of Environment, Forest and Climate Change Government of India
FOREST DEPARTMENT KARNATAKA
Directorate of Forests Government of West Bengal
CEC Centre for Environment Communication Environment is First
आज़ादी का अमृत महोत्सव
LiFE Lifestyle for Environment
G20 भारत 2023 INDIA